काम को बुलाहट के रूप में देखना

Work as Calling

उद्देश्य (OBJECTIVE)

यह प्रशिक्षण इस सच्चाई को उजागर करता है कि परमेश्वर ने हमें केवल सेवा के लिए नहीं, बल्कि हमारे **दैनिक काम** के माध्यम से भी **उसकी महिमा के लिए जीने** के लिए बुलाया है।

हर मसीही का कार्य, चाहे वह कलीसिया में हो या समाज में, **एक बुलाहट (Calling)** है — परमेश्वर के उद्देश्य को पूरा करने का एक माध्यम।

सारांश (OVERVIEW)

- परमेश्वर ने आदिकाल से ही मनुष्य को **काम करने के लिए नियुक्त किया** (उत्पत्ति 2:15)
- काम पाप का परिणाम नहीं है, बल्कि आरंभ से ही ईश्वर का उद्देश्य रहा है
- काम हमारे **विश्वास** और **उपस्थित होने** का एक रूप है
- हम अपने काम से:
    - समाज को आशीष दे सकते हैं
    - परमेश्वर की प्रकृति को प्रकट कर सकते हैं
    - सुसमाचार को जी सकते हैं
- हमारे काम को बुलाहट के रूप में देखने से उसमें अर्थ, उद्देश्य, और उत्साह आता है
- मसीही को अपने पेशे में भी **मसीह का प्रतिनिधि** होना है
- काम सिर्फ पैसा कमाने का साधन नहीं, बल्कि **सेवा और गवाही का स्थान** है

संदर्भित बाइबल वचन (VERSES REFERENCED)

- उत्पत्ति 2:15
- कुलुस्सियों 3:23-24
- 1 कुरिन्थियों 10:31
- इफिसियों 2:10

अध्ययन के लिए प्रश्न (QUESTIONS FOR FURTHER STUDY)

1. क्या आप अपने वर्तमान काम को परमेश्वर की बुलाहट के रूप में देखते हैं? क्यों या क्यों नहीं?

2. आप अपने काम के माध्यम से परमेश्वर की महिमा कैसे प्रकट कर सकते हैं?

3. क्या कोई ऐसा क्षेत्र है जहाँ आप "धार्मिक" और "सामान्य" कामों में अंतर करते हैं? बाइबल इस बारे में क्या सिखाती है?

4. आप अपने आस-पास के लोगों को यह कैसे सिखा सकते हैं कि उनका काम भी परमेश्वर की योजना का हिस्सा है?

अधिक अध्ययन के लिए वचन पद (SCRIPTURE FOR FURTHER STUDY)

- नीतिवचन 16:3
- मत्ती 5:16
- 1 थिस्सलुनीकियों 4:11-12